

UGC NET Paper 1 2014 Dec

www.Fillerform.info

Previous Years Solved Questions - UGC NET Paper 1 for July 201

Unit 3(Home work)Hindi/Eng-13

Read the following passage carefully and answer questions 44 to 48:

The literary distaste for politics, however, seems to be focused not so much on the largely murky practice of politics in itself as a subject of literary representation but rather more on how it is often depicted in literature, i.e., on the very politics of such representation. A political novel often turns out to be not merely a novel about politics but a novel with a politics of its own, for it seeks not merely to show us how things are but has fairly definite ideas about how things should be, and precisely what one should think and do in order to make things move in that desired direction. In short, it seeks to convert and enlist the reader to a particular cause or ideology; it often is (in an only too familiar phrase) not literature but propaganda. This is said to violate the very spirit of literature which is to broaden our understanding of the world and the range of our sympathies rather than to narrow them down through partisan commitment. As John Keats said, 'We hate poetry that has a palpable design upon us'.

Another reason why politics does not seem amenable to the highest kind of literary representation seems to arise from the fact that politics by its very nature is constituted of ideas and ideologies. If political situations do not lend themselves to happy literary treatment, political ideas present perhaps an even greater problem in this regard. Literature, it is argued, is about human experiences rather than about intellectual abstractions; it deals in what is called the 'felt reality' of human flesh and blood, and in sap and savour. (rasa) rather than in and lifeless ideas. In an extensive discussion of the matter in her book *Ideas and the Novel*, the American novelist Mary McCarthy observed that 'ideas are still today felt to be unsightly in the novel' though that was not so in 'former days', i.e., in the 18th and 19th centuries. Her formulation of the precise nature of the incompatibility between ideas on the one hand and the novel on the other betrays perhaps a divided conscience in the matter and a sense of dilemma shared by many writers and readers: 'An idea cannot have loose ends, but a novel, I almost think, needs them. Nevertheless, there is enough in common for the novelists to feel... the attraction of ideas while taking up arms against them — most often with weapons of mockery.'

44. The constructs of politics by its nature is

- (A) Prevalent political situation
- (B) Ideas and Ideologies
- (C) Political propaganda
- (D) Understanding of human nature

Answer: (

45. Literature deals with

- (A) Human experiences in politics
- (B) Intellectual abstractions
- (C) Dry and empty ideas
- (D) Felt reality of human life

Answer:

46. The observation of the novelist, May McCarthy reveals

- (A) Unseen felt ideas of today in the novel
- (B) Dichotomy of conscience on political ideas and novels
- (C) Compatibility between idea and novel
- (D) Endless idea and novels

Answer:

47. According to the passage, a political novel often turns out to be a

- (A) Literary distaste for politics

- (B) Literary representation of politics
- (C) Novels with its own politics
- (D) Depiction of murky practice of politics

Answer:

48. A political novel reveals

- (A) Reality of the things
- (B) Writer's perception
- (C) Particular ideology of the readers
- (D) The spirit of literature

Answer:

निम्नलिखित गद्यांश को ध्यान से पढ़ें और प्रश्नों के उत्तर 44 से 48 दें:

राजनीति के लिए साहित्यिक अरुचि, हालांकि, साहित्यिक प्रतिनिधित्व के विषय के रूप में अपने आप में राजनीति के बड़े पैमाने पर घिनौनी प्रथा पर केंद्रित नहीं है, बल्कि इस बात पर अधिक ध्यान दिया जाता है कि यह अक्सर साहित्य में कैसे चित्रित किया जाता है, अर्थात् प्रतिनिधित्व। एक राजनीतिक उपन्यास अक्सर केवल राजनीति के बारे में उपन्यास नहीं बल्कि अपनी खुद की एक राजनीति के साथ एक उपन्यास बन जाता है, क्योंकि यह न केवल हमें यह दिखाना चाहता है कि चीजें कैसी हैं बल्कि चीजों के बारे में काफी निश्चित विचार हैं, और ठीक क्या है चीजों को उस वांछित दिशा में ले जाने के लिए सोचना और करना चाहिए। संक्षेप में, यह पाठक को एक विशेष कारण या विचारधारा में परिवर्तित और सूचीबद्ध करना चाहता है; यह अक्सर (केवल बहुत परिचित वाक्यांश में) साहित्य नहीं बल्कि प्रचार है। यह साहित्य की बहुत ही भावना का उल्लंघन करने के लिए कहा जाता है जो दुनिया की हमारी समझ और हमारी सहानुभूति की सीमा को व्यापक बनाने के बजाय उन्हें पक्षपातपूर्ण प्रतिबद्धता के माध्यम से संकीर्ण करने के लिए है। जैसा कि जॉन कीट्स ने कहा, 'हम कविता से नफरत करते हैं, जो हमारे ऊपर एक मनमोहक रचना है।'

एक और कारण है कि राजनीति उच्चतम प्रकार के साहित्यिक प्रतिनिधित्व के लिए उत्तरदायी नहीं है, इस तथ्य से उत्पन्न होती है कि राजनीति अपने स्वभाव से ही विचारों और विचारधाराओं का गठन करती है। यदि राजनीतिक परिस्थितियाँ स्वयं को खुश साहित्यिक उपचार के लिए उधार नहीं देती हैं, तो राजनीतिक विचार इस संबंध में एक और भी बड़ी समस्या है। साहित्य, यह तर्क दिया जाता है, बौद्धिक सार के बजाय मानवीय अनुभवों के बारे में है; यह मानव मांस और रक्त की 'महसूस की गई वास्तविकता' कहलाता है, और पाप और स्वाद में सौदा करता है। (rasa) बजाय और बेजान विचारों के। अपनी पुस्तक आइडियाज एंड नोवेल में इस मामले की व्यापक चर्चा में, अमेरिकी उपन्यासकार मैरी मैकार्थी ने देखा कि 'विचार आज भी उपन्यास में भद्दे से महसूस किए जाते हैं' हालांकि ऐसा 'पूर्व दिनों' में नहीं हुआ था, अर्थात् 18 वीं और 19 वीं शताब्दी। एक ओर विचारों के बीच असंगति की सटीक प्रकृति का उनका सूत्रीकरण और दूसरी बाजी पर उपन्यास शायद इस मामले में एक विभाजित विवेक और कई लेखकों और पाठकों द्वारा साझा दुविधा की भावना: 'एक विचार में ढीले अंत नहीं हो सकते, लेकिन एक उपन्यास, मुझे लगभग लगता है, उनकी जरूरत है। फिर भी, उपन्यासकारों को महसूस करने के लिए पर्याप्त ... आम तौर पर उनके खिलाफ हथियार उठाते समय विचारों का आकर्षण - सबसे अधिक बार नकली हथियारों के साथ होता है। '

44. अपनी प्रकृति से राजनीति का निर्माण होता है

(ए) प्रचलित राजनीतिक स्थिति

(बी) विचार और विचारधारा

(ग) राजनीतिक प्रचार

(D) मानव प्रकृति की समझ

उत्तर:

45. साहित्य से संबंधित है

(ए) राजनीति में मानव अनुभव

(बी) बौद्धिक सार

(C) शुष्क और खाली विचार

(घ) मानव जीवन की वास्तविकता को महसूस किया

उत्तर:

46. उपन्यासकार, मेकार्थी के अवलोकन से पता चलता है

- (ए) अनदेखी ने उपन्यास में आज के विचारों को महसूस किया
- (बी) राजनीतिक विचारों और उपन्यासों पर अंतरात्मा की आवाज
- (सी) विचार और उपन्यास के बीच संगतता
- (D) अंतहीन विचार और उपन्यास

उत्तर: (

47. पारित होने के अनुसार, एक राजनीतिक उपन्यास अक्सर एक निकला

- (ए) राजनीति के लिए साहित्यिक अरुचि
- (बी) राजनीति का साहित्यिक प्रतिनिधित्व
- (सी) अपनी राजनीति के साथ उपन्यास
- (घ) राजनीति के नकली अभ्यास का चित्रण

उत्तर:

48. एक राजनीतिक उपन्यास से पता चलता है

- (ए) टिंग्स की वास्तविकता
- (बी) लेखक की धारणा
- (ग) पाठकों की विशेष विचारधारा
- (घ) साहित्य की आत्मा

उत्तर: (